tion Hour. You know the rule, you know everything. The whole world know...

SHRI PARVATHANENI UPENDRA. *

MR. CHAIRMAN The whole world knows that I decide matters according to correct things. The whole world knows that I did not permit this side to raise things Mr. Gurupadaswamy, you were there And I cannot change it overnight because the things have changed, you have decided to change things, I cannot I have done it I have permitted you one day. I permitted you fully. Now it is not correct You look to your own conscience I am not stopping you from raising it but after the Question Hour. (*Interruptions*) I cannot be called guilty of double standards.

SHRI DIPEN GHOSH: *

MR. CHAIRMAN. That is none of my business. You know that I do not belong to the Congress Party. The matter ends.

SHRI DIPEN GHOSH *

MR. CHAIRMAN: This is the question Hour. Till the last day of the last session of this House you have seen my views. Mr Jaipal Reddy, in the last session of this House you were sitting here You saw my view last time Now I can't change it You may change your sides or do whatever you like, but so far as I am concerned, I will stick to what I followed then. I am not stopping you ..(*Interruptions*) After Question Hour. please. (*Interruptions*).. After Question Hour, after Question Hour. ..(*Interruptions*)...I will not permit. The matter is clear, and if you are not satisfied—I want to make it very clear—you can remove me. I don't care. But, so long as I am alive. I will stick to one standard. I can't change what I said in the last session. (*Interruptions*)

SOME HONOURABLE MEMBERS: We walk out ... (*interruptions*)

[*At this stage, some honourable Members left the Chamber*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Damage to Railway Properties during the Anti-Reservation Stir

*21. CHOWDHRY HARI SINGH† DR RATNAKAR PANDEY:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state.

(a) what was the estimated loss suffered by the Railways during the recent months due to the anti-reservation stir by the students throughout the country, so far

(b) whether there are any proposals under Goevrnment's consideration to raise the railway fares in order to offset that huge loss; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) While the loss suffered cannot be quantified precisely, it is approximately in the range of Rs. 100 crores.

(b) and (c) No concrete proposal has yet been formalised.

चौधरी हरि सिंह : माननीय सभापति जी, मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि लगभग एक सौ करोड़ रुपए की रेलवे प्रोपर्टीज का नुकसान एजीटेशन के दौरान हुआ है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह रेलवे की किस तरह की प्रोपर्टी का नुकसान हुआ है और किस रेलवे यानी नार्दन, ईस्टर्न या सदर्न, किस रेलवे मे अधिक प्रोपर्टी का नुकसान हुआ है और किस स्टेट मे कितना हुआ है। इसका ब्यौरा क्या आपके पास है? अगर है तो उसको बताने की कृपा करें। नबर दो, यदि इस वक्त आपके पास न हो तो उसे बाद मे सदन के पटल पर रख दे क्योकि मेरी जानकारी यह है कि सौ करोड से ज्यादा का नुकसान हुआ

*Not recorded

†The question was actually asked on the floor of the House by Chowdhry Hari Singh

है। आप इसका पूरा कपलीट ब्यौरा, जो लोसेस की स्थिति है, डेस्ट्रक्शन का, डमेजेज का या दूसर, उसको सदन के पटल पर रखने की कृपा करें।

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति जी, पिछले दिनो जो आदोलन हुआ था आरक्षण विरोधी, उसके दौरान रेल के इंजिन, डिब्बे, स्टेशन, सिग्नल के इक्युपमेटस् लाईन, इन सबका नुकसान हुआ है। यह नुकसान हुआ है दक्षिणी-पूर्वी रेलवे मे, पूर्वी रेलवे मे और उत्तरी रेलवे मे। इसका विस्तृत ब्यौरा अभी इक्ट्ठा किया जा रहा है क्योकि बहुत लबा-चौडा नुकसान है। फिर भी हम मानते हैं कि जो नुकसान हुआ है, जो क्षति हुई है सामान की वह करीब पचास करोड है और आवागमन से जो आमदनी होती, उसका जो नुकसान हुआ है वह लगभग पचास करोड़ है, इस प्रकार यह सौ करोड है। ऐसा अगर माननीय सदस्य ने हुकुम दिया है तो विस्तृत लेखाजोखा, जो नुकसान का है, सभा के पटल पर रख दिया जाएगा।

चौधरी हरि सिंह: मान्यवर, एक मेरा प्रश्न रह गया, कि किस स्टेट के स्टेशन पर सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

श्री सभापति : किस रेलवे मे ज्यादा नुकसान हुआ है ?

श्री जनेश्वर मिश्र : अब राज्य के हिसाब से तो नही बता सकते, लेकिन बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा मे ज्यादा नुकसान हुआ है।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय सभापति जी, पिछली सरकार के समय आरक्षण के मुद्दे को लेकर के जिस तरह से नौजवानो ने आग लगाकर अपनी जान दी, वह सारे देश के लिए सोचने की बात है। नई पीढी क्लीन स्लेट की तरह होती है, उसका मस्तिष्क और हृदय स्वच्छ होता है।...

श्री सभापति : आप अपना प्रश्न कीजिए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उसी पर आ रहा हूं, पंडित जी। यह आज पहला प्रश्न है, कल भी नही हुआ।

श्री सभापति : सूत्र मे पूछो सूत्र मे। पडित तो सूत्र मे बात करते हैं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उस आंदोलन के दौरान जान की और राष्ट्रीय संपत्ति की हानि हुई है। उसमे आपका अनुमान है कि लगभग सौ करोड़ रुपये की रेलवे की संपत्ति नष्ट हुई होगी। आपकी रेलवे मे सुरक्षा की व्यवस्था है, रेल सपत्ति की सुरक्षा के लिए रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, रेल सुरक्षा बल है। उस पर आप कितना खर्च करते हैं ? यह रेलवे सुरक्षा बल आरक्षण विरोधी लहर के दौरान रेलवे-सपत्ति की रक्षा करने मे पूर्णतया अयोग्य सिद्ध हुई है, असफल सिद्ध हुई है। तो क्या सरकार नए सिरे से रेल सुरक्षा बल का पुनर्गठन या उसके पेरेलल कोई और महत्वपूर्ण सस्थान रेल की संपत्ति की रक्षा करने के लिए निर्माण करने ज रही है ? और जो 1000 करोड़ रुपए की हानि हुई, है, उसको किन मदो से पूरा करेगे जैसे बहुत से लोग अपने माल के नुकसान का दावा करते है और करोडो रुपया आप रेलवे का उसमे देते हैं। तो इस प्रकार से 100 करोड़ हो सकता है डेढ सौ करोड़ हो, 200 करोड हो, सैकडो करोड़ का नुकसान हुआ है, उसकी पुर्ति के लिए या क्आपने कोई प्लान बनाया है ? नही बनाया है तो क्या बनाएगे और क्या इसका पूरा विवरण सदन मे इसी सत्र मे रेवले की सम्पत्ति का जो नुकसान हुआ है आरक्षण के आन्दोलन के दौरान उस पर रखेंगे ? इन सब का दोष एक व्यक्ति का है - विश्वनाथ प्रताप सिंह का, जो तत्कालीन प्रधान मंत्री थे और उनके मंत्री आप भी थे। इस विभाग में नही थे, संचार मंत्रालय के आप मंत्री थे। ...

श्री सभापति : आप सवाल करिए वह पहले कहां थे, उसके पहले कहां थे, वह कहां से जीते और क्या किया है यह सब सवाल नही है। आप सवाल करिए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मंत्री महोदय 100 करोड रुपये की सम्पत्ति के विनाश के लिए सारा दोष विश्वनाथ प्रताप सिंह का है, उनकी सम्पत्ति को जब्त करने के लिए कोई योजना बनाएगे आप ?

श्री जनेश्वर मिश्र · ऐसी कोई योजना नही है ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय . मैंने और भी बहुत कुछ पूछा था, उनका जवाब नही दिया आपने ।

श्री सभापति : वह सब तो भूमिका थी ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय . मैंने पूछा है कि 100 करोड रुपये की आप कहा से, किस रूप मे, कौन से स्त्रोतो से भरपाई करेगे ? कोई आपने प्लान बनाया है या नही ? नही बनाया है तो क्या बानएंगें और इस सदन मे उस पर कोई स्टेटमेट लेकर आएगें ? इन सबका आपने कोई जवाब नहीं दिया, मुस्करा कर केवल विश्वनाथ प्रताप सिंह पर टाल दिया ।

श्री जनेश्वर मिश्र : जो नुकसान हुआ 100 करोड़ रुपये का, इसकी कही न कही से तो भरपाई करनी पड़ेगी चाहे वित्त मत्रालय के सामने हाथ फैलाकर करे, प्लानिंग कमीशन से निवेदन करें या देश की जनता से निवेदन करें इस पर अभी कोई अंतिम रूप-रेख तैयार नही हुई है ।

DR. RATNAKAR PANDEY: What about protection force, Sir?

कुमारी सईदा खातून : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि आपने धन की हानि तो बता दी कि 100 करोड रुपये की हुई है, लेकिन जन की भी हानि बताइये कि आप कितने जख्मियो को पैसा बांट रहे हैं ? जो धन-जन की हानि हुए है, उसका स्टेट वाइज ब्यौरा हम चाहते हैं। कितने मार दिये गये हैं. कितने जख्मी हुए हैं या घायल हुये हैं ?

श्री सभापति : यह रेलवे के अंडर है ।

कुमारी सईदा खातून: इस क्वेश्चन से यही जाहिर होता है कि रेल-किराए मे, रेलवे फेयर मे आप क्या वृद्धि करेंगे?

श्री जनेश्वर मिश्र : इस प्रकार का अभी विचार नही है ।

श्रीमती वीणा वर्मा : मैं माननीय मत्री जी से जनाना चाहती हूं कि आरक्षण विरोधी आन्दोलन की वजह से जो रेलवे सम्पत्ति को भारी नुकसान हुआ है उसकी एक खास वजह बताई जाती है कि रेलवे सुरक्षा बल व गवर्नमैंट रेलवे पुलिस मे तालमेल न होने की वजह से हुआ । क्या ऐसा हुआ है ? यदि हां, तो इसको ठीक करने के लिए और सुधार करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रहीं है ?

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति जी, रेलवे सुरक्षा बल अपनी पूरी ताकत से इसका मुकाबला कर ही नही सकत क्योकि वह छुट-पुट घटनाओ के लिए होता है । जिस तरह का यह बृहद आन्दोलन था, उस आन्दोलन का मुकाबला करने के लिए हमें राज्य सरकारो से मदद लेनी पडती है, लेकिन एकबारगी आन्दोलन होने पर राज्य सरकालो से सम्पर्क करते करते करोडो की सम्पत्ति स्वाहा हो जाती है । बाद मे राज्य सरकार, उसके गृह विभाग से सम्पर्क किया गया । समय-समय पर यह कोशिश की गई कि आन्दोलन को देखते हूए कुछ गाड़ियो को मुल्तवी किया जाए, रोका जाए और यह किया भी गया है । हमने पूरी कोशिश की कि हमारे यात्रियो का नुकसान न होने पाए और इसमें रेल विभाग के कर्मचारियो ने काफी सराहनीय काम किया है ।

श्री भंवर लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, बहन सईदा खातून ने जो प्रश्न उठाया था उसको क्लेरिफाई करते हुये मेरा यह प्रश्न है कि रेल संपत्ति के नुकसान के इस प्रश्न के संबंध मे जो प्राइवेट प्रोपर्टी रेलवे की कंसाइंमेट के रूप मे दी थी और उसका नुकसान हुआ था उसका भी क्या सरकार ने आकलन किया है? एक

बात और कि ज्यों ही कोई व्यक्ति रेल पर चढ़ जाता है और जब तक वह वापस नही उतरता वह प्लेटफार्म से बाहर नही जाता तब तक वह रेल सपत्ति के रूप मे चलता है तो क्या उन्होने ऐसे डैड एंड डिसएबिल्ड का कोई आकलन किया है और क्या उनको कोई मुआवजा दिये जाने के लिये तथा प्राइवेट कसाइमेट के लिये कोई प्रावधान इस सौ करोड के साथ किया है ?

श्री जनेश्वर मिश्र : अध्यक्ष महोदय, यात्रियों के कपसेनशन की व्यवस्था है। जब कोई दुर्घटना होती है और हमारा कोई यात्री करता है तो उसकी क्षतिपूर्ति होती है । यह दुर्घटना नही थी, यह एक आन्दोलन था और आन्दोलन मे इस तरह का नुकसान नही हुआ है । और जो किसी यात्री की सपत्ति का नुकसान हुआ है इसका ब्यौरा नही है ।

कुमारी चन्द्रिका प्रेमजी केनिया : अध्यक्ष महोदय, मडल कमीशन की अमल की घोषणा के बाद मे पूरे देश मे असंतोष और अराजकता का वातावरण फैला खासकर के मासूम नौजवानो ने अपनी जान की कुर्बानी भी दे दी क्योकि उनको लगा कि यह सरकार उनसे धोका कर रही है तथा सरकार बिल्कुल आख मिचौली करती रही है और पूरे देश मे आग लगती रही । जैसा मंत्री जी ने बताया कि जहा तक रेलवे का सवाल है सौ करोड का नुकसान हो गया । मैं मंत्री जी से जानना चाहूगी कि ऐसे कुछ कदम सरकार उठा चाहेगी, ऐसी कोई योजना बनाना चाहेगी कि सार्वजनिक संपत्ति की हम सुरक्षा ठीक तरह से कर सकें ? और दूसरी बात, जो सौ करोड का नुकसान हुआ है उसके लिये मैं मंत्री महोदय से यह आश्वासन लेना चाहूंगी कि जब रेलवे बजट प्रस्तुत करेंगे क्योकि वैसे ही किराये मे बहुत वृद्धि हो गयी है, सामान्य जनता को यह कर का बोझ उठाना नामुमकिन सा हो गया है, मुश्किल सा हो गया है, आगु चलकर वे किराये में वृद्धि नह करगे ?

श्री जनेश्वर मिश्र · बजट के बारे मे कोई भी आश्वासन इस सदन मे अभी नही दिया जा सकता ।

श्री सभापति · वह भी मंत्री यही हैं उनको मालूम है ।

Development work in Papan Kalan and Narela

*22 SARDAR JAGJIT SINGH AURORA·
SHRI RAM JETHMALANI

Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the necessary development work of the land to be allotted to the Cooperative Group Housing Societies at Papan Kalan and Narela, has been completed;

(b) if so, whether the process of allotment of land to the Cooperative Group Housing Societies has started,

(c) if so, the number and names, of Cooperative Group Housing Societies to whom letters have been issued by the DDA in connection with allotment of land; and

(d) what is the stipulated date as per the assessment of Government by which the land is likely to be allotted to these housing societies?

शहरी विकास मंत्री (श्री दौलत राम सारण) · (क) विकास कार्य प्रगति पर है ।

(ख) और (ग) सदन के पटल पर रखे गये विवरण के अनुसार 423 सहकारी समितियो को पेशकश प्रस्ताव पत्र भेजे जा चुके हैं । (नीचे देखिए)

(घ) इस स्थिति में सही समय बताना संभव नहीं है किन्तु जहां तक संभव हो आबंटन शीघ्र किया जायेगा ।